एम.एच.डी.-1

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2022

एम.एच.डी.-1 : हिन्दी काव्य-1
(आदि काव्य, भक्ति काव्य एवं रीति काव्य)

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर देने हैं । **प्रथम** प्रश्न **अनिवार्य** है । शेष प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) हेरत हेरत हे सखी, रह्या कबीर हिराइ ।

बूँद समानी समँद में, सो कत हेरी जाइ ।

हेरत हेरत हे सखी, रह्या कबीर हिराइ ।

समँद समाना बूँद में, सो कत हेर्‌या जाइ ।

(ख) अबिगत गति कछु कहत न आवै ।

ज्यौं गूँगैं मीठे फल कौ रस अंतरगत ही भावैं ।

परम स्वाद सबही सु निरंतर अमित तोष उपजावै ।

मन बानी कौं अगम अगोचर सो जानै जो पावै ।।

रूप रेख गुन जाति जुगति बिनु निरालंब कित धावै ।

सब बिधि अगम बिचारहिं तातैं सूर सगुन पद गावै ।।

(ग) मकराकृति गोपाल कैं सोहत कुंडल कान ।

धरयौ मनौ हिय धर समरू, डयौढ़ी लसत निसान ।।

(घ) कहै पदमाकर न हंस में न हासहू में

हिम में न हेरि हारो हीरन के बृंद में ।

जेती छबि गंग की तरंगन में ताकियक

तेती छबि छीर में न छीरधि के छंद में ।

चैत में न चैतचाँदनीहूँ में चमेली में न

चंदन में है न चंदमूड़ में न चंद में ।।

2. विद्यापति के युग का विवेचन कीजिए । *10*

3. कबीर के दर्शन पर प्रकाश डालिए । *10*

4. तुलसीदास की रामराज्य की परिकल्पना का विवेचन कीजिए । *10*

5. मीरा की कविता का महत्त्व स्पष्ट कीजिए । *10*

6. रीति काव्य परंपरा में घनानंद का स्थान क्या है ? विचार कीजिए । *10*

7. पद्माकर के शृंगार वर्णन का मूल्यांकन कीजिए । *10*